अध्याय 1 प्रस्तावना

मंगलूर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (कंपनी), पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी), भारत सरकार (जीओआई) के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन एक मिनी रत्न कंपनी है। यह कंपनी ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी) की एक सहायक कंपनी है। यह द्रवित पेट्रोलियम गैस, मोटर स्प्रिरिट, नाप्था, मिश्रित जायलीन, विमान टर्बाइन ईंधन, कैरोसीन, हाई स्पीड डीजल, फर्नेश ऑयल, बिटुमेन, पॉलीप्रापिलीन, पेट्रोलियम कोक और सल्फर का उत्पादन करती है।

वर्ष 2011-12 तक, कंपनी की क्षमता 11.82 एमएमटीपीए[1] थी जिसे चरण III विस्तार परियोजना के अंतर्गत बढ़ाकर 15 एमएमटीपीए कर दिया गया था।

1.1 संगठनात्मक संरचना

कंपनी की अध्यक्षता गैर-कार्यकारी अध्यक्ष द्वारा की जाती है। प्रबंध निदेशक, कंपनी का कार्यकारी प्रमुख होता है। निदेशक मण्डल (बोर्ड) में अध्यक्ष, तीन कार्यात्मक निदेशकों के साथ-साथ प्रबंध निदेशक, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के एक नामित निदेशक और दो सरकारी नामित निदेशक शामिल हैं। 14 सितम्बर 2014 से बोर्ड में कोई भी स्वतंत्र निदेशक नहीं थे।

प्रबंध निदेशक, निदेशक (वित्त) एवं निदेशक (रिफाइनरी), बोर्ड में पूर्णकालिक कार्यात्मक निदेशक हैं। कंपनी के विभिन्न विभागों की अध्यक्षता महाप्रबंधकों के समूह द्वारा की जाती है जो निष्पादित कार्यों के आधार पर निदेशक (वित्त) अथवा निदेशक (रिफाइनरी) को रिपोर्ट करते हैं। विपणन गतिविधियों में सहायता प्रदान करने के लिए कंपनी की बैंग्लुरू में एक शाखा है तथा अंतर्राष्ट्रीय लेनदेन के साथ-साथ कच्चे तेल

[1] ***एमएमटीपीए-मिलियन मिट्रीक टन प्रतिवर्ष***

के आयात एवं उत्पाद के निर्यात में सुविधा प्रदान करने के लिए दिल्ली में भी एक अन्य शाखा है।

1.2 वित्तीय निष्पादन

31 मार्च 2016 को समाप्त पाँच वर्षों के दौरान कंपनी की वित्तीय स्थिति निम्नलिखित तालिका में दर्शाई गई है:

तालिका 1.1 बैलेंस शीट (₹ करोड़ में)

विवरण	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
शेयर पूंजी	1,757.26	1,752.66[2]	1,752.66	1,752.66	1,752.66
रिजर्व	5,471.94	4,715.03	5,316.21	3,552.29	4,667.78
उधार	6,183.11	7,557.65	9,792.72	9,032.47	8,102.84
आस्थगित कर देयता	453.14	734.33	470.27	0.00	80.63
कुल देयताएं	**13,865.45**	**14,759.67**	**17,331.86**	**14,337.42**	**14,603.91**
अचल परिसंपत्तियां (निवल)	11,149.02	13,335.11	14,542.97	15,486.76	15,104.54
निवेश	42.28	15.00	15.00	1,349.67	1,349.67
निवल वर्तमान परिसंपत्तियां	2,674.15	1,409.56	2,773.89	-2,499.01	-1,850.30
कुल परिसंपत्तियां	**13,865.45**	**14,759.67**	**17,331.86**	**14,337.42**	**14,603.91**

2011-12 से 2013-14 की अवधि के दौरान उधार में वृद्धि 2013-14 तक के पूंजीगत व्यय को पूरा करने के लिए हुई थी। उसके बाद इसमें गिरावट शुरू हुई क्योंकि कंपनी ने उधारकोचुकाना शुरू किया। इसके अतिरिक्त, ओएनजीसी मैंगलोर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड की(फरवरी 2015)शेयर पूँजी को अंशदान के लिए वर्ष 2014-15 में निवेश में भी वृद्धि हुई।

31 मार्च 2016 को समाप्त पाँच वर्षों के लिए कंपनी का प्रचालन निष्पादन इस प्रकार था:

[2] ***₹5.00 प्रति के 91.86 लाख के अधिमान शेयरों के परिशोधन के कारण पूंजी में कमी।***

तालिका 1.2: लाभ एवं हानि का विवरण (₹ करोड़ में)

विवरण	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
आय					
बिक्री (उत्पाद शुल्क का निवल)	53,763.34	65,691.52	71,810.50	57,438.15	39,632.04
अन्य आय	354.31	116.04	324.47	810.16	872.52
स्टॉक्स में वद्धि/(गिरावट)	150.21	1,116.15	674.07	-1,886.13	-683.17
जोड़-क	**54,267.86**	**66,923.71**	**72,809.04**	**56,362.18**	**39,821.39**
व्यय					
कच्चा माल	51,236.75	65,400.18	70,740.63	55,886.06	34,650.43
स्टॉक्स (निवल) पर बिक्री कर एवं उत्पाद शुल्क	-60.62	21.8	19.96	91.69	158.89
वेतन एवं अन्य व्यय	160.64	184.56	215.47	240.74	306.14
विनिमय उतार-चढ़ाव निवल हानि	648.22	536.49	1.91	683.5	1,190.27
अन्य व्यय	322.11	324.56	393.51	710.38	1,051.92
ब्याज	206.68	328.55	321.44	407.09	577.83
मूल्यह्रास	433.87	604.41	706.42	498.61	712.41
जोड़-ख	**52,947.65**	**67,400.55**	**72,399.34**	**58,518.07**	**38,647.89**
कर पूर्व लाभ/हानि **ग=(क-ख)**	1,320.21	-476.84	409.70	-2,155.89	1,173.50
कराधान के लिए प्रावधान-घ	411.63	280.07	-191.49	-443.66	25.35
कर बाद लाभ/हानि ग-घ	**908.58**	**-756.91**	**601.19**	**-1,712.23**	**1,148.15**

कंपनी ने 2011-12, 2013-14 और 2015-16 के दौरान लाभ अर्जित किये और 2012-13 और 2014-15 के दौरान हानि उठाई। इस अस्थिर परिणाम का एक कारण चरण III विस्तार परियोजना की नई आरंभ की गई इकाइयों के स्थिरीकरण में विलंब और चरण I और II इकाइयों से उनका गैर-समकालन था। इसके अतिरिक्त, कच्चे तेल मूल्यों एंव मुद्रा दर भिन्नता और अस्थिरता जैसे अन्य घटक परिणामों में अस्थिरता के कारण भी थे।

1.3 उत्पादन प्रक्रिया

कंपनी प्रसंस्करण इकाइयों और रिफाइनरी विन्यास के अभिकल्पित मानदंडों के रूप में पेट्रोलियम उत्पादों कच्चे तेल के अपेक्षित ग्रेड की उपलब्धता की मांग के आधार पर रिफाइनरी संचालनों की योजना बनाती है। रिफाइनरी का उत्पादन स्वरूप कच्चे तेल

मिश्रण, रिफाइनरी विन्यास, प्रौद्योगिकी, तैयार उत्पाद मांग, उत्पादन प्रक्रिया का इष्टतम उपयोग और प्राथमिक तथा द्वितीयक प्रसंस्करण इकाईयों के संचालन निष्पादन पर निर्भर करता है।

एमआरपीएल रिफाइनरी का एक सरलीकृत प्रवाह चित्र नीचे दर्शाया गया है:

रिफाइनरी प्रक्रिया प्रवाह

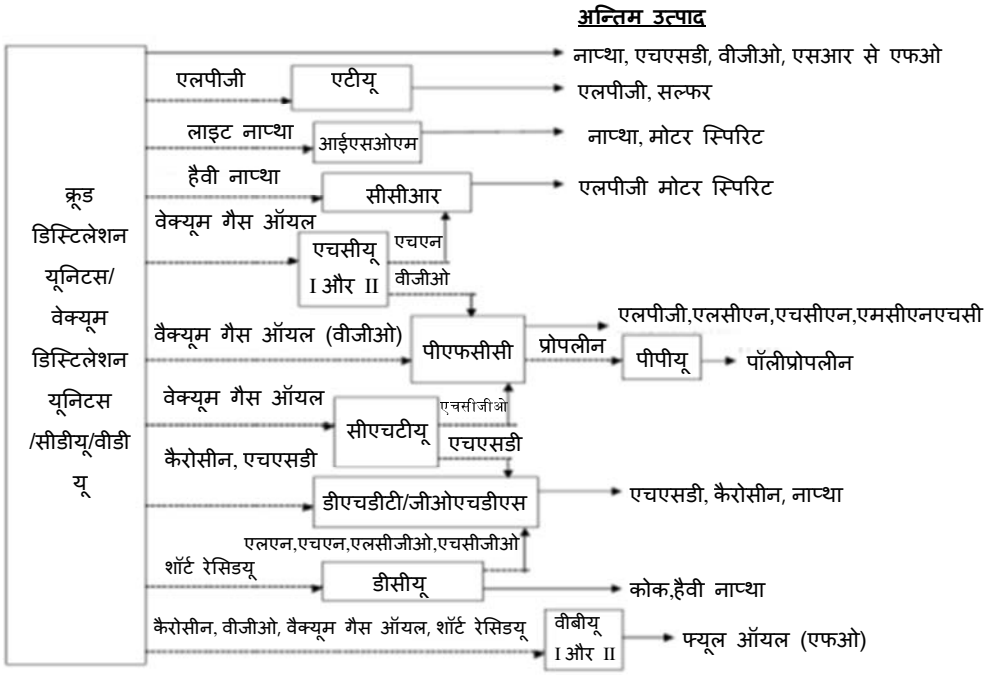

1.4 उत्पादन निष्पादन

कंपनी के उत्पादन निष्पादन के चरण III विस्तार परियोजना, पॉलीप्रोपलीन यूनिट[3] (पीपीयू) और सिंगल पांईट मूरिंन[4] (एसपीएम) सुविधा और चरण I और II के अंतर्गत सृजित मौजूदा सुविधाओं के साथ उनके समकालन की स्थापना सहित पूंजीगत परियोजनाओं के अन्तर्गत अभिकल्पित विभिन्न सुविधाओं के असंस्थापन को ध्यान में रखकर समीक्षा की गई थी। निम्नलिखित तालिका मार्च 2016 को समाप्त पांच वर्षों के लिए कंपनी के उत्पादन निष्पादन का सार दर्शाती है।

[3] ***कच्चे तेल के निकास के लिए ऑफ शोर सुविधा***

[4] ***प्रोपीलीन से पॉली प्रोपीलीन के उत्पादन के लिए पेट्रोकेमिकल इकाई***

तालिका 1.3 उत्पादन निष्पादन

विवरण	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
क्षमता (एमएमटीपीए)	11.820	13.620	15.000	15.000	15.000
कच्चे तेल की प्राप्ति (एमएमटी)	13.025	14.156	14.971	14.354	15.871
थ्रूपुट (एमएमटी)	12.818	14.403	14.547	14.648	15.692
उत्पादन (एमएमटी)	11.953	13.394	13.397	13.169	14.166
क्षमता उपयोग (थ्रूपुट/क्षमता) (*प्रतिशत* में)	108.44	105.75	96.98	97.65	104.61
सकल रिफाइनिंग लाभ (यूएसडी/बीबीएल[5])	5.60	2.45	2.67	(-)0.64	5.20
ईंधन और हानि[6] (थ्रूपुट की *प्रतिशतता*)	6.75	7.00	7.90	10.09	10.06

यद्यपि चरण III विस्तार परियोजना के अंतर्गत क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट (सीडीयू)[7] III मार्च 2012 में आरंभ की गई थी, परन्तु कंपनी ने पूर्व परीक्षण आधार पर वर्ष 2012-13 के लिए 60 *प्रतिशत* क्षमता की वृद्धि और इसके बाद अर्थात 2013-14 पूर्ण क्षमता पर विचार किया। यद्यपि अभिकल्प क्षमता 15 एमएमटीपीए पर अनुमानित की गई थी, परन्तु कंपनी चरण III यूनिटों के आरंभ करने में विलंब के कारण 2013-14 और 2014-15 के दौरान अभिकल्पित क्षमता को प्राप्त नहीं कर सकी जो वास्तव में 2015-16 में प्राप्त की गई थी। चरण III यूनिटों को आरंभ करने में विलंब ने सकल रिफाइनरी लाभ (जीआरएम) को भी प्रभावित किया जो 2014-15 के दौरान नकारात्मक हो गया। ईंधन और हानि, जो कुशलता और जीआरएम को प्रभावित करते हैं, ने 2014-15 तक चार वर्षों के लिए वृद्धि दिखाई जबकि 2015-16 के दौरान, विगत वर्ष की तुलना में मामूली कमी हुई। इस प्रकार, जीआरएम और ईंधन तथा हानि जो संचालन कुशलता को प्रभावित करते हैं, ने इस अवधि के दौरान प्रतिकूल प्रवृति दशाई। आगामी अध्यायों में इन पहलुओं पर चर्चा की गई है।

---

[5] ***सकल रिफाइनरी लाभ (जीआरएम) किसी तेल रिफाइनरी (उत्पाद) के बाहर आने वाले पेट्रोलियम उत्पादों के कुल मूल्य और कच्चे/सामग्री (आवक) जो कि कच्चा तेल है; के मूल्य के बीच अंतर है। जीआरएम को डालर प्रति बैरल (यूएसडी/बीबीएल) में व्यक्त किया जाता है।***

[6] ***ईंधन और हानि रिफाइनरी की विभिन्न इकाईयों को चलाने में अथवा प्रकिया के दौरान खत्म हो जाने वाला तेल है।***

[7] ***कच्चे तेल से स्त्राव और अलग मूल्यवान आसवन और तेल उत्पाद***

1.5 पूंजीगत परियोजनाएं

दिसंबर 2005 में इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (इआईएल) द्वारा तैयार की गई विस्तृत व्यवहार्यता रिपोर्ट (डीएफआर) के आधार पर, कंपनी ने ₹7,943 करोड़ की अनुमानित लागत के साथ एक रिफाइनरी उन्नयन परियोजना (चरण III विस्तार परियोजना) को आरंभ करने का निर्णय लिया (फरवरी 2006)। इकाइयों के क्षमता परिवर्तन/समाप्ति और सीडीयू तथा हेवी कोकर गैस ऑयल हाइड्रोट्रीटिंग यूनिट (सीएचटीयू)[8] के जोड़ने के कारण अगस्त 2008 में ₹12,412 करोड़ की लागत को पुन: संशोधित किया गया था। मई 2009 में, इसे ₹1,804 करोड़ की संभावित लागत पर पीपीयू के समावेशन के कारण ₹ 13,964 करोड़ तक संशोधित किया गया था और प्रोपीलीन की प्रहस्तन सुविधा की समाप्ति के कारण ₹252 करोड़की कमी की गई। जून 2010 में दोबारा, ₹1,044 करोड़ की लागत पर एसपीएम का समावेश करने के कारण लागत को ₹15,008 करोड़ तक संशोधित किया था। **अनुबन्ध I** में संशोधनों के लिए विस्तृत कारणों को शामिल किया गया है। 2006 में अनुमानित लागत और 2008, 2009 और 2010 में इसके संशोधन के विवरण **अनुबन्ध II** में दिये गये हैं।

अक्तूबर 2015 में, कंपनी ने चरण III विस्तार की परियोजना लागत में ₹13,475 करोड़ के समायोजन के लिए अपने बोर्ड का अनुमोदन प्राप्त किया। इस प्रकार, चरण III विस्तार परियोजना पीपीयू और एसपीएम की स्थापना करने सहित पूंजीगत परियोजनाओं की कुल समायोजित लागत ₹16,323 करोड़ आंकी गई थी। मार्च 2016 तक, कंपनी ने ₹ 14,832 करोड़ का व्यय किया था।

आरंभ में, परियोजना जून 2006 से 48 महीनों के अंदर अर्थात जून 2010 तक चालू की जानी निर्धारित की गई थी जिसे क्षमता में परिवर्तन/इकाइयों की समाप्ति के कारण और सीडीयू और सीएचटीयू के जोड़ने के कारण बाद में आगे (अगस्त 2008) अक्तूबर 2011 तक बढ़ा दिया गया था। तथापि,परियोजना सितंबर 2014 में आरंभ कराई गई थी। पीपीयू और एसपीएम जिसे 2009 और 2010 में परिकल्पित किया गया था, के आरंभ करने का लक्ष्य क्रमश: सितंबर 2012 और मई 2012 था। पीपीयू को जून 2015 में और एसपीएम को अगस्त 2013 में आरंभ किया गया था।

---

[8] ***अन्य डाऊनस्ट्रीम इकाई के लिए निम्न सल्फर के फीड स्टॉक, निम्न नाइट्रोजन फीड हाईड्रो संसाधित भारी कोकर गैस ऑयल फीड स्टॉक को उत्पादित करता है।***

1.6 लेखापरीक्षा उद्देश्य

निष्पादन लेखापरीक्षानिम्न निर्धारित करने के उद्देश्य से की गई थी कि क्या:

- पूंजीगत परियोजनाओं को अनुमानित लागत के अदंर और रिफाइनरी का सहज संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कच्चे तेल के लिए उचित योजना के साथ समय सारणी के अनुसार ही प्रभावी रूप से डिजाईन किया गया, तैयार किया गया, सौंपा गया, कार्यान्वित किया गया और समकालित किया गया था।
- रिफाइनरी संचालन मितव्ययिता और कुशलतापूर्वककिया गया था और समय सारणी के अनुसार अनुरक्षण किया गया था।
- ईंधन और हानि और सुविधाओं की उपयोगिता (विद्युत, भाप, ईंधन और जल) और रसायनों और कैटलिस्ट की खपत नियमानुसार थी, और
- पर्यावरणीय पहलूओं का ध्यान रखा गया था और उक्त से संबंधित सांविधिक प्रतिमानों की अनुपालना की गई थी।

1.7 लेखापरीक्षा का कार्यक्षेत्र

लेखापरीक्षा में 2011-12 से 2015-16 की अवधि हेतु चरण III विस्तार, पीपीयू और एसपीएम की स्थापना, प्रसंस्करण इकाइयों के समकालन और संचालनात्मक निष्पादन, सहायक इकाइयों और जन सुविधाओं सहित पूंजीगत परियोजनाओं की योजना बनाने और कार्यान्वयन को कवर किया गया है। पर्यावरणीय मामलों से संबंधित प्रासंगिक सांविधिक नियमों की अनुपालना को भी कवर किया गया था।

1.8 लेखापरीक्षा कार्यपद्धति

लेखापरीक्षा उद्देश्यों, मानदंड, कार्यक्षेत्र, कार्य पद्धति आदि पर विचार-विमर्श करने के लिए प्रबंधन के साथ प्रवेश सम्मेलन (20 मई 2016) के साथ निष्पादन लेखापरीक्षा आरम्भ की गई। लेखापरीक्षा कार्यपद्धति में रिकॉर्डो की जांच और विश्लेषण, प्रबंधन के साथ चर्चा, लेखापरीक्षा प्रश्नों और प्रबंधन के उत्तर की समीक्षा का मामला शामिल किया गया। लेखापरीक्षा जांच में बोर्ड कार्यवृत्त, उत्पादन योजनाओं, धारक कंपनी के साथ हस्ताक्षरित एमओयू, वार्षिक अनुरक्षण कार्यक्रम, प्रबंधन सूचना प्रणाली की रिपोर्टें और रिफाइनरी संचालन से संबंधित रिकॉर्ड और तकनीकी सेवाओं की समीक्षा भी शामिल थी। लेखापरीक्षा निष्कर्ष ड्राफ्ट निष्पादन लेखापरीक्षा रिपोर्ट (अक्तूबर 2016)

जारी करने के द्वारा और एग्जिट कांफ्रेंस (नवंबर 2016) में प्रबंधन के साथ साझा किये गये। ड्राफ्ट रिपोर्ट फरवरी 2017 में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय को जारी की गई थी। 15 मार्च 2017, 29 मार्च 2017, 27 अप्रैल 2017, 22 मई 2017 और 1 जून 2017 को जारी अनुस्मारकों के बावजूद, मंत्रालय ने लिखित में कोई उत्तर नहीं दिया। इसके बाद 21 जून 2017 को मंत्रालय के साथ एग्जिट कांफ्रेस की गई। प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत किये गये उत्तर और एग्जिट कांफ्रेस में प्रबंधन/मंत्रालय के विचारों को निष्पादन लेखापरीक्षा रिपोर्ट को अंतिम रूप देते हुए ध्यान में रखा गया है।

1.9 लेखापरीक्षा मानदंड

निष्पादन लेखापरीक्षा के लिए अपनाए गए लेखापरीक्षा मानदंडों में विस्तृत परियोजना रिपोर्ट/विस्तृत व्यवहार्यता रिपोर्ट, एमओयूज, प्रक्रिया लाइसेंसधारक समझौते, परामर्शदाताओं, ठेकेदारों और अन्य एजेंसियों के साथ समझौते, भारत सरकार की ऑटोफ्यूल नीति, तेल विपणन कंपनियों (ओएमसीज) और विदेशी ग्राहकों के साथ समझौतों, मौजूदा औद्योगिक मानक/प्रतिमान और पर्यावरणीय कानून, सरकारी नीति और मार्गदर्शन, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस द्वारा कार्यचालन समूह रिपोर्ट-XII पंचवर्षीय योजना आदि को शामिल किया गया था।

1.10 आभार

लेखापरीक्षा निष्पादन लेखापरीक्षा किये जाने के दौरान विभिन्न स्तरों पर प्रबंधन एवं मंत्रालय द्वारा सहयोग और सहायता का आभार प्रकट करता है।